श्री आसारामजी भांडवलदार कला वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय, देवगांव (रं), ता. कन्नड, जि. औरंगाबाद

हिंदी विभाग २०१९-२०२०

Course Outcomes

हिंदी भाषा का महत्व : -

भारत की जनभाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, के रुप में हिंदी का स्थान एवं महत्व अक्षुण्ण है | न केवल भारत में बल्कि भारत से बाहर भी अनेक देशों में विश्वविद्यालय स्तर पर भी हिंदी भाषा का प्रयोग किया जा रहा है |

हिंदी साहित्य का महत्व :-

आज दुनिया के अनेक देशों में विश्वविद्यालय स्तर तक भी हिंदी भाषा और साहित्य का अध्ययन अध्यापन हो रहा है | आज हिंदी विषय के रुप में केवल साहित्य ही नहीं पढाया जाता बल्कि हमारी संस्कृति आचार-विचार से भी परिचित कराया जाता है |

भूमंडलीकरण के दौर में शामील होकर आज मनुष्य आत्म केंद्रीत होता जा रहा है | आज के दौर में सबसे बडी समस्या मनुष्य को मनुष्य बनाए रखने की है | इस उपभोक्तावादी युग में साहित्य हमें मनुष्य होने की तमीज सिखाता है |

उपलब्धि :-

आज हिंदी छात्रों को आधुनिक युग के सभी आयामों तथा क्षेत्रों से जोडती है | जैसे संगणक कार्यप्रणाली, पारिभाषिक शब्दावली, अनुवाद विज्ञापन, सरकारी पत्राचार, संपादन समाचार फीचर लेखन आदि |

हिंदी में पढाई कर छात्र अध्यापक, लिपिक, हिंदी अधिकारी (बँक आकाशवाणी आदि) हो सकते है | सिनेमा धारावाहिक मे अभिनेता, संवाद लेखक, पटकथा लेखक, बन सकते है | इन सब बातों के अलावा वे संपादन समाचार लेखन आदि क्षेत्रों में भी कार्य कर सकते है | इसी के साथ हिंदी बाजार की भाषा बनने के कारण हिंदी भाषा पर गहरी पकड हासिल कर वाणिज्य व्यापार में भी सफल हो सकते है |

अभ्यासक्रम उद्देश :-

हिंदी का अंतर्राष्ट्रीय स्वरुप एवं बाजार में उसकी उपयोगिता से परिचित कराना | उपर्युक्त बातों को सफल बनाने के लिए छात्रों को प्रगत बनाने हेतू इस अभ्यासक्रम का आयोजन किया गया है | हिंदी भाषा साहित्य एवं हिंदी भाषा का अंतर्राष्ट्रीय स्वरुप आदि के ज्ञान से उसमें उपलब्ध रोजगार से परिचित करा छात्रों को स्वावलंबी बनाना इस पाठयक्रम का उद्देश रहा है |

Program Specific Outcomes :-

इस कार्य को सफल बनाने के लिए छात्रों को प्रगत करने हेतू निम्न कार्यो एवं अभ्यासक्रम का आयोगन का किया गया है |

B.A FY सामान्य हिंदी (SL) :-

इस पाठयक्रम की प्राय: सभी कहानियाँ छात्रों में नई प्रेरणा, चेतना जागृत करने का कार्य करती है | अपने जीवन में कैसे आगे बढना है वह सीख देती है |

B.A FY हिंदी Opt १ (उपन्यास साहित्य) :-

छात्रों में सामान्य आस्वादन और अभिरुचि का परिसंस्कार होता है | जीवन मूल्यों प्रति आस्था निर्माण होती है | लेखन तथा भाषण कौशल्य का विकास होता है | सामाजिक अच्छाईयों और बुराईयों के प्रति एवं उसके अंजामों के प्रति जागृत हो बुराईयों के प्रति अनास्था और अच्छाईयों के प्रति आस्था निर्माण होती है |

B.A FY हिंदी Opt २ (नाटक साहित्य) :-

हिंदी नाटक तथा रंगमंच के प्रति रुची निर्माण होती है | संवेदनाओं का विकास होता है | नाटयस्वादन तथा नाटयलोचन क्षमता का विकास होता है | अभिनय क्षमता बढती है | जीवन के यथार्थ को एक पठन दृश्य श्रव्य रुप में समझने का मौका मिलता है | सही और गलत के अंजामों का परिचय होता है |

B.A SY सामान्य हिंदी (SL) :-

साहित्य के प्रति रुचि निर्माण कर छात्रों को संस्कारित कर जीवन मूल्यों के प्रति इस पाठयक्रम द्वारा आस्था निर्माण करना है | अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का पाठयक्रम द्वारा छात्रों को परिचय कराना है | भाषा शिक्षण की प्रक्रिया से परिचित कराना है | वाणिज्य व्यापार से छात्रों को परिचित कराना, हिंदी भाषा का बाजार में स्थान एवं अंतर्राष्ट्रीय स्वरुप से परिचित कराना है |

B.A SY Opt ३ (आधुनिक हिंदी कविता) :-

इस पाठयक्रम द्वारा छात्रों में साहित्य आस्वादन अभिरुची का परिचय कराना | जीवन मुल्यों के प्रति आस्था जागृत करना हिंदी पदय संवेदना की परंपरा का परिचय कराना | आधुनिक हिंदी कवियों का परिचय कराना |

B.A SY Opt ४ (प्रयोजनकमुलक हिंदी) :-

हिंदी भाषा के विविध रुपों का परिचय कराना | राजभाषा हिंदी के विभिन्न पहलुओं का परिचय कराना | प्रयोजनमुलक भाषा तथा अनुवाद की भूमिका का परिचय कराना |

B.A TY IX (प्रादेशिक साहित्य) :-

इस पाठयक्रम के माध्यम से छात्रों में जीवन मुल्यों के प्रति आस्था निर्माण करना है | प्रादेशिक साहित्य का ज्ञान बढाना है |

भारतीय साहित्य का अध्ययन करना है | मराठी भाषा तथा साहित्य का छात्रों को परिचय कराना |

B.A TY X (आदि तथा मध्यकालिन हिंदी साहित्य का इतिहास) :-

इस पाठयक्रम के माध्यम से हिंदी साहित्य की परंपरा से परिचय कराना | जीवन मूल्यों के प्रति आस्था निर्माण करना, लेखन एवं पठन कौशल में वृध्दी करना है | भक्तिकालिन साहित्य की आवश्यकता यथार्थता एवं सामाजिक शांती प्रदान करने के लिए उपयुक्तता से परिचित कराना एवं आधुनिक साहित्य का आरंभ उसकी उपयोगिता सत्यता मनोरंजकता आदि बातों से परिचित कराना |

B.A TY XII (प्रकल्प कार्य) :-

इस पाठयक्रम द्वारा छात्रों में पठन लेखन कौशल का विकास करना, आलोचनात्मक क्षमता का विकास करना तथा अनुसंधानात्मक दृष्टि का विकास करना है | बौध्दीक क्षमता को विकसित करना है |

B.A TY XV (साहित्यशास्त्र) :-

साहित्य चिंतन का अध्ययन करना | साहित्य लोचन क्षमता का परिचय कराना | साहित्य सृजन के संस्कार करना| छात्रों में साहित्यशास्त्र के प्रति जागृती निर्माण करना |